

यसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I---लया I

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 141]

नई बिल्ली, मंगलवार, जुलाई 16, 1968/प्रायाह 25, 1890

No. 1411

NEW DELHI, TUBSDAY, JULY 16, 1968/ASADHA 25, 1890

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भ्रतग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

संकरप

नई दिल्ली 12 जुलाई, 1968.

संख्या 24 (1) / 68-सी० श्रो० श्रार०-भारत सरकार ने यह निर्णय किया है कि भारत सरकार के श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंद्रालय (पुनर्वास विभाग) के संकल्प संख्या 5 (21) / 66 सार० ई० दिनांक 6 जनवरी, 1967 द्वारा स्थापित पानम बंगाल में पुनर्वाम कार्य की समीक्षा-मिति के विचारार्थ विषयों का विस्तार कर उनमें विस्थापितों के लिए पश्चिम बंगाल में बने स्थायी दायित्य-गृहों श्रीर प्रपंग-गृहों से संबंधित निर्धारित मधों की कुर्यप्रणाली की आंच करने का कार्य भी शामिस किया आएगा।

- 2. उपर्युक्त संकल्प का श्रांशिक संशोधन करने के बाद अब समिति के संशोधित विचारार्थ विषय निम्निलिखित होंगे :---
 - (क) 1961-62 में अवशिष्ट मूल्याकन के उपरांत पुराने विस्थापितों के हित के लिय पश्चिम बंगाल में किये गये पनर्वास कार्यक्रम / उपायों के परिणाम तथा कार्यका मृल्याका।
 - (ख) परिचालन वर्ग के कार्य में प्रगति लाने के लिये प्रणाली, वर्तमान योजनाश्रों के पुनिबन्सास के संबंध में रूपरेखा, सहायता का प्रतिक्षा तथा विस्तदायुं। प्रणाली श्रादि पर विचार करना ताकि श्रविशिष्ट मल्याकन के श्रन्तर्गत श्राने वाले पुराने विस्थापितो का शीध तथा प्रभावी पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके।
 - (ग) वित्तीय सहायतः सहित पुराने विस्थापितों के बारे में निम्न उपायों की मिकारिण करना :---
 - (1) बस्तियो का विकास.
 - (2) स्थायी दायित्व गृहों में रहने वाले परिवारो को बसाने के लिये भिम प्रर्जन,
 - (3) अवशिष्ट समस्या के मल्यांकन के अन्तर्गत आने वालों के लिये पुनर्वास-ऋण, और
 - (4) तकनौकी प्रशिक्षण तथा भौद्योगिक योजनायें।
 - (घ) "नये विस्थापितों" द्वारा उत्पन्न की गई समस्या की महता तथा स्वरूप का म याकन, (वे विस्थापित जो 1-1-1964 के बाद भारत श्राये हैं) जो पश्चिम वंगाल में रह रहे हैं, उनके तकनीकी प्रशिक्षण के लिये श्रावश्यक सीमा तक विसीय जहायता, रोजगार शिक्षा तथा चिकित्सा मुविधाओं के सम्बन्ध में मिफारिण करता।
 - (ङ) निम्नलिखित बातो को विशेष रूप से ध्यान में रखते हुये स्थायी दायित्व गृहों तथा अपंग-गृहों की कार्यप्रणाली की जांच करना :---
 - (1) पुनर्वास के योग्य ऐसे परिवारों को जो गृहों में रह रहे है शीघ्र पुनर्वास देने के लिये, श्रार्थिक उत्थान सम्बन्धी योजनाश्रों का प्रारम्भ करना।
 - (2) दायित्व-गृहों / अपंग-गृहों पर वर्तमान दरों पर खर्च की जांच करना ।
 - (3) बच्चों की शिक्षी के लिये उपाय, विशेषकर मिडिल स्कल शिक्षा से आगे का प्रबन्ध करना; और
 - (4) दायित्व-गृहों तथा अपंग-गृहों में रह रहे लोगों के भावास की संतोवधन व्यवस्था करता जिसमें वर्तमान श्रावास की मरम्मत भी शामिल होगी।

हिस्याणी :

अपनी सिफारिशें करते समय समिति विस्थापित व्यक्तियों की प्रतिवार्य भावस्थ-कताभ्रों , सामान्य जनसंख्या का प्रचलित स्तर तथा सरकार के पास उपलब्ध साधनों का विशेष ध्यान रखोगी।

भारत सरकार के उपर्युक्त संकल्प में वर्णित ग्रन्य गर्ते तथा प्रतिबन्ध समय समय पर किए गए संशोधनों सहित प्रपरिवर्तित रहेंगे।

वी० तन्ज पा, सचिव।